पु॰ना International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

कविता- 17 छोटी-सी हमारीनदी

- रवीन्द्रनाथ ठाकुर

* कठिनशब्द

1- ढ़ोर-डंगर
2- बैलगाड़ी
3- झकाझक
4- बालू
5- उजले
6- अमराई
7- ताड़-वन
8- माँझती
9- धार-कछारो
10- साँझ-सवेरे

* शब्दार्थ

1- अमराई- आम का बाग
2- कछार- घाटी
3- भँवरा- तेजलहरों का गोला
4- सघन- घना
5- टोला- बस्ती
6- काँस- झाँडी
7- पाट- विस्तार
8- गमछा- छोटा तौलिया
9- लोटा- छोटा कलश

* अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1- गर्मियों में नदी में कितना पानी रहता है?
उ- गर्मियों में नदी में घुटनो तक का पानी रहता है।

2- नदी के दूसरे किनारे पर स्थित बस्ती किन की ह और वह किस प्रकार बसाई गई हैं?
उ- नदी के दूसरे किनारे परताड़-वन है वहाँ ब्राहमणों दवारा बस्ती बसाई गई - हैं।

3- बच्चे मछलियाँ क स पकडते है?
उ- बच्चेअपने गमछो का आँचल बिछाकर मछलिया पकडते हैं।

* लघु उत्तरीय प्रश्न

1- कविता में नदी के जल के स्वच्छ होने का वर्णन किस प्रकार किया गया है?
उ- कविता में नदी के जल को इतना स्वच्छ व साफ़ बताया है जैसे आरपार- दिखाई दे जैसे काँसे का बर्तनचमकरहा हो।

2- मैना नदी तट का सौदय किस प्रकार बढ़ा रहीहै?
उ- मैना नदी तट पर दिन भर किचपिच करती है और वहाँक वातावरण को और सुंदर बना देती है।

3- नदी के दोनों किनारों क आस-पास के प्राकृतिक दृश्य कैसे हैं?
उ- नदीके एक किनारे पर घनी अमराई ह और दूसरी और ताड़ वन है जहाँ पक्षीीकिरकिच कर दृश्य और भी सुंदर बना देते हैं। बच्चों को नहाते हुए, -मछलियाँ पकडते हुए शोर व बहुओं का कपड़े धोना, बर्तन और पानी भरना दृश्य को सुंदर बना देते हैं।

4- बच्चेनदी में स्नान करने का आनंद किस प्रकार उठा रहेहैं?
उ- छोटे बच्चे नदी में उछल-उछल कर नहा रहे हैं और गमछा भिगाकर अपना शरीर भिगा रहे हैं।

5- टोले की बहुएँ नदी से किस प्रकार जुड़ी हुई हैं?
उ- टोले की बहुएँ लोटे-थाल माँज रहीहै, कपड़े धो रही है, जल्दी-जल्दीकाम क्रके अपने घर की और जा रहीहै।

**व्याकरण-विभाग** : अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

अनेक शब्दों के स्थान पर अकेले ही प्रयुक्त होने वाले शब्द अनेक शब्दों के लिए एक शब्द अथवा वाक्यांश के लिए एक शब्द कहलाते हैं। भाषा में कई शब्दों के स्थान पर एक शब्द बोल कर हम भाषा को प्रभावशाली एवं आकर्षक बनाते है।

कुछ उदाहरण:

जो क्षमा न किया जा सके – अक्षम्य

जहाँ पहुँचा न जा सके – अगम्य

जिसे सबसे पहले गिनना उचित हो – अग्रगण्य

जिसका जन्म पहले हुआ हो – अग्रज

जिसका जन्म बाद/पीछे हुआ हो – अनुज

जिसकी उपमा न हो – अनुपम

जिसका मूल्य न हो। – अमूल्य

जो दूर की न देखे/सोचे – अदूरदर्शी

जिसका पार न हो – अपार

जो दिखाई न दे – अदृश्य

जिसके समान अन्य न हो – अनन्य

जिसके समान दूसरा न हो – अद्वितीय

ऐसे स्थान पर निवास जहाँ कोई पता न पा सके – अज्ञातवास

जो न जानता हो – अज्ञ

जो बूढा (पुराना) न हो – अजर

जो जातियों के बीच में हो – अन्तर्जातीय

आशा से कहीं बढ़कर – आशातीत

**लेखन-विभाग :**

छोटी बहन को योग तथा प्राणायाम की सलाह देते हुए पत्र लिखिए|

परीक्षा भवन,

.....

18 मई 2019

प्रिय बहन युवलिन,

सस्नेह आशीष।

तुम्हारा पत्र मिला। तुमने लिखा है कि तुम्हारा पाचन खराब रहता है।

प्रिय बहन! सैर, प्राणायाम तथा व्यायाम आवश्यक है, लेकिन एक तुम हो कि कभी व्यायाम नहीं करते। व्यायाम और प्राणायाम के बहुत लाभ होते हैं। जैसे-शरीर के अंग प्रत्यंग में नए रक्त का संचार होता है। जल्दी-जल्दी सांस लेने के कारण फेफड़े खुलते हैं और उनमें ऑक्सीजन अधिक जाती है, जिससे रक्त शुद्ध होता है।

शरीर की त्वचा के रोम छिद्रों के रास्ते, शरीर में पसीने के रास्ते तथा शरीर के भीतर के विकार बाहर निकल जाते हैं। शरीर की हड्डियों तथा अंगों में लचक पैदा होने के कारण चुस्ती फुर्ती आती है। व्यायाम करने वाला व्यक्ति हमेशा खुश तथा स्वस्थ रहता है, इंद्रियां शुद्ध हो जाती हैं।

व्यायाम अपने सामर्थ्य अनुसार ही करना चाहिए परंतु निरंतर करना चाहिए।

आशा है कि आप नियमित रूप से व्यायाम करेंगे और आपकी शारीरिक सारी समस्याएं तथा मानसिक समस्याएं अपने आप ही दूर हो जाएंगी।

तुम्हारा भाई,

अभियज्ञा ठाकुर

**गतिविधि-छोटी-सी हमारीनदीकविता चार्ट पेपरपर लिखिए।**

# पाठ- 18 चुनौती हिमालय की
## - सुरेखा पणंदीकर

* कठिनशब्द

1- तड़के
2- लालिमा
3- निराला
4- उजा़ड़
5- स्पर्श
6- ग्लेशियर
7- दुर्गम
8- गडेरिया
9- वीरान
10- पथरीली
11- उपचार
12- मुकुट

* शब्दार्थ

1- तडके- सुबहसवेरे
2- लालिमा- हल्का लाल उजाला जब सूर्य निकलता है
3- निराला- अनोखा
4- स्पर्श- छूना
5- दुर्गम- कठिन
6- वीरान- सूनसान
7- पथरीली- पत्थरों से भरी
8- उपचार- इलाज
9- ग्लेशियर- बर्फजहाँ से पिघलकर नदी बनतीहै
10- सपाट- सीधा

* अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1- अपना कौन-सा काम, किसे सौंपकर किशन, नेहरु जीके साथ चल पड़ा- था?

उ- अपना भैड़-बकरी चराने का काम बिशन अपनी बेटी को सौंपकर नेहरुजीके साथ चल पड़ा।

2- पाठ में बर्फ़ीले मैदान की तुलना किससे की गई है?

उ- पाठ में बर्फ़ीले मैदान की तुलना देवताओं के मुकुट से कीगई हैं।

3- नेहरुजी को खाई से निकलने में किस-किसने मदद की?

उ- नेहरुजी को खाई से निकलने में उनके भाई, एक कुली, और बिशन ने मदद की।

4- नेहरुजी सदा किससे आकर्षित होतेरहे?

उ- नेहरुजी सदा हिमालय की ऊचाईयों से आकर्षित होते रहे।

* लघु उत्तरीय प्रश्न

1- जवाहरलाल नेहरु ने किसकी कौन-सी चुनौती स्वीकार की थी?

उ- जवाहरलाल नेहरु ने हिमालय की ऊचाईयों की व दुर्गमरास्तों की चुनौती ळ स्वीकार की।

2- तिब्बत की ब़र्फ़ीली हवा असहय होने के साथ-साथ सुखदायी एवं लाभकारी भी थी। कैसे?

उ- तिब्बती पठार का दृश्य निराला तो दिख रहा था, दूर-दूर तक वनस्पति-रहित उजाड़ चटटानी इलाको में एकदम उदास वीरान, बर्फ से ढ़की हुई लेकिन सुबहकी सुनहरी किरणों का स्पर्श, सफेद बर्फ ऐसे चमकती मानो ताज हो ऐसा दृश्यमन को सुकून व शांति देताहै।

3- नेहरुजी के खाई में गिरनेपर रस्सी ही एकमात्र उनकासहारा थी।कैसे?

उ- नेहरुजी चढ़ाई चढ़ रहे थे तब रस्सी से बँधे थे। पहाड़ो पर रस्सी के सहारे- एक दूसरे को बाँधकर चढ़ते है, जब नेहरुजी खाई में गिरे तो फ़िसलन के कारण ऊपर आ पाना कठिन था। तब बस एक मात्र सहारा रस्सी ही होती है जिसे ऊपर वाले लोग खींचते हऔर गिरा हुआ व्यक्ति ऊपर आ पाताहै।

* दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1- अमरनाथ जाने की जवाहरलाल नेहरुजी की उत्सुकता किसने , किस प्रकार बढ़ा दी?

उ- अमरनाथ जाने की उत्सुकता जवाहरलाल नेहरु के मन में उनके भाई, कुली, और बिशन ने बढ़ा दी। वेबताते रहे अमरनाथ की ऊँचाई, रास्तों की कठिनाइयों, दुर्गम-वीरान पत्थरीलें रास्तों का रोमांच और बर्फील तूफानों का सामना करने की बात सुन कर नेहरुजी अमरनाथ जाने के लिए बहुत उत्सुक हुए।

**व्याकरण-विभाग** : विलोम शब्द

एक़-दूसरे के विपरीत या उल्टा अर्थ देने वाले शब्द विलोम कहलाते है।

सरल शब्दों में- जो शब्द किसी दूसरे शब्द का उल्टा अर्थ बताते हैं, उन्हें विलोम शब्द या विपरीतार्थक शब्द कहते है।

अत: विलोम का अर्थ है- उल्टा या विरोधी अर्थ देने वाल़ा।

विलोम शब्द अपने सामनेवाले शब्द के सर्वदा विपरीत अर्थ प्रकट करते हैं।

| | | | |
|---|---|---|---|
| अमृत | विष | अथ | इति |
| अन्धकार | प्रकाश | अल्पायु | दीर्घायु |
| अनुराग | विराग | आदि | अंत |
| आगामी | गत | आग्रह | दुराग्रह |
| अनुज | अग्रज | आकर्षण | विकर्षण |
| अधिक | न्यून | आदान | प्रदान |
| आलस्य | स्फूर्ति | अर्थ | अनर्थ |
| अपेक्षा | नगद | अतिवृष्टि | अनावृष्टि |
| आदर्श | यथार्थ | आय | व्यय |
| आहार | निराहार | आविर्भाव | तिरोभाव |
| आमिष | निरामिष | अभिज्ञ | अनभिज्ञ |
| आजादी | गुलामी | अनुकूल | प्रतिकूल |

| | | | |
|---|---|---|---|
| आर्द्र | शुष्क | अल्प | अधिक |
| अनिवार्य | वैकल्पिक | अमृत | विष |
| अगम | सुगम | अभिमान | नम्रता |
| आकाश | पाताल | आशा | निराशा |
| अनुग्रह | विग्रह | अपमान | सम्मान |
| आश्रित | निराश्रित | अनुज | अग्रज |
| अरुचि | रुचि | आदि | अंत |
| आदान | प्रदान | आरंभ | अंत |

**लेखन-विभाग : कहानी :** बिना विचारे जो करै, सो पाछे पछिताय,

एक छोटी लड़की अपने पिताजी के साथ पार्क में खेल रही थी इतने में एक सेव बेचने वाला वहा से गुजरा जिसे देखकर उस छोटी लड़की ने अपने पिताजी से सेव खरीदने को कहा तो उस लड़की के पिताजी तो ज्यादा पैसे अपने साथ लाये नही थे तो उन्होंने **2** सेव खरीद लिए और अपनी बेटी को दे दिया**,**

और बेटी के हाथो में सेव रखते हुए बोले की क्या इन सेवो में से मुझे भी खिलाओगी यह सुनते ही उस छोटी लड़की ने तुरंत एक सेव अपने दातो से काट लिया और उसके पिता कुछ बोल पाते इतने में उस छोटी लड़की ने दूसरा सेव भ अपने दातो से काट लिया,

अपनी बेटी की इस हरकत को देखकर उसके पिता बहुत ही आश्चर्यचकित थे और मन ही मन सोचने लगे की उसकी बेटी के मन में लालच है इसलिए उसकी बेटी अपनी सेव साक्षा करने में ऐसा कर रही है और ये सब सोचते हुए बहुत ही गहरी चिंता में डूब गये, चेहरे से प्रसन्नता गायब हो चुकी थी.

लेकिन इतने में ही अचानक उसकी बेटी ने अपने पिताजी के हाथ पर एक सेव रखते हुए कहा की "पिताजी यह सेव बहुत ही प्यारा और स्वादिष्ट है और मीठा भी बहुत है इसे आप खाईये" यह सब बाते सुनकर उस लड़की के पिताजी अवाक थे और पलभर पहले ही अपनी बेटी के बारे में न जाने क्या क्या सोच लिया था और फिर उन्हें लगा की अब वह जल्दबाजी में कभी भी ना सोचेगे क्यू जल्दबाजी का निर्णय गलत भी हो सकता है और इस प्रकार अपने बेटी के इस कार्य से एक बार फिर से उनके चेहरे पर मुस्कान वापस आ गयी और फिन मन ही मन अपने बेटी पर गर्व करने लगे थे,

किसी भी चीज को तुरंत सोचकर किसी ठोस निर्णय पर न जाए चीजो को समझने के लिए वक्त देना बहुत ही जरुरी होता है क्यूकी जल्दबाजी में लिया गया निर्णय गलत भी हो सकता है.

**गतिविधि- जवाहरलालनेहरुजी का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।**